International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के संदर्भ में अध्ययनं

डॉ. अजय पाल सिंह

व्याख्याता शिक्षा संकाय एल0 एस0 एम0 परिसर, पिथौरागढए, एस.एस.जे. विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा उत्तराखण्ड

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के संदर्भ में अध्ययनं किया गया है। अध्ययन हेतु बहेड़ी तहसील के नगर क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में **77** विद्यार्थियों का चयन किया गया। शोधार्थी ने संवेगात्मक बुद्धि के मापन हेतु डॉ0 ए0 के0 सिंह तथा श्रुति नारायन द्वारा निर्मित 'संवेगात्मक बुद्धि मापनी' का प्रयोग किया। प्रस्तुत शोध कार्य 'सर्वेक्षण विधि' से किया गया है। शोध के परिणाम से प्राप्त हुया कि विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शैक्षिक उपलब्धि मे धनात्मक सम्बन्ध पाया गया।

Keywords: संवेगात्मक बुद्धि, शैक्षिक उपलब्धि

प्रस्तावनाः

जीवन की आधारभूत आवश्यकताओं के बाद जिस वस्तु की आवश्यकता होती है। वह है –शिक्षा। और शिक्षा सक व्यक्ति, समाज और देश का विकास होता है। इस विकास को जानने से पूर्व यह जानना सुनिश्चित किया है कि वह बालक जो शिक्षा ग्रहण कर रहा है। उसमें दूसरे व्यक्तियों, समाज तथा देश के प्रति क्या दृष्टिकोण है। वह उन्हे कैसे समझता है। और उनके लिए क्या सोचता है। इन सभी का बालक पर उसके विकास के साथ ही साथ वंशाक्रम, भाषा, स्थान, आर्थिक स्थिति, और वातावरण के कारक महत्वपूर्ण है। तथा इन कारकों के प्रेरकों से उसके व्यक्तित्व, भाषा, सामाजिकता, शिक्षा तथा शैक्षिक उपलब्धि आदि पर क्यों, कैसे और कितना प्रभाव पड़ता है। यह जानना भी आवश्यक हो गया है। इसलिये विद्यार्थियों के प्रत्येक पक्ष को जानना तथा उसके कारणों के क्या प्रभाव, उसके अधिगम व शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है। और इन सभी पक्षों के लिए उसकी बुद्धि (अमूर्त बुद्धि मूर्त बुद्धि सामाजिक बुद्धि और भावनात्मक बुद्धि) की क्या भूमिका है। इस प्रकार इस अध्ययन में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के सन्दर्भ में संवेगात्मक बुद्धि अथवा भावनात्मक बुद्धि का क्या महत्वपूर्ण स्थान है।

संवेगात्मक बुद्धि वास्तव में एक सामाजिक बुद्धि की एक शाखा है। संवेगात्मक बुद्धि के अंतर्गत कुछ पहलुओं को देखा जा सकता है जैस– स्व–अभिप्रेरणा, स्व–प्रबंधन, सम्बन्ध प्रबंधन, सामाजिक जागरूकता तथा स्व–आत्मविश्वास, भावात्मक प्रबंध आदि आते हैं।

संवेगात्मक बुद्धि एक ऐसी बुद्धि है जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता पाने में अपनी भूमिका निभाती है। संवेगात्मक को अंग्रेजी में 'Emotional' कहते हैं जो 'Emovere' से बना है जिसका अर्थ है हलचल या गति।

जीवन के किसी भी पक्ष को समझने के लिए सफलता पाने के लिए 80 प्रतिशत संवेग तथा 20 प्रतिशत वुद्धि का समावेश होता है। संवेगात्मक बुद्धि उम्र तथा अनुभव के साथ बढ़ती है जो इसे व्यक्तित्व गुणों की तुलना में एक योग्यता के रुप में सक्षम बनाता है।

मेयर व सेलोवे (1989) में संवेगात्मक बुद्धि वह योग्यता है जो उनके बीच अंतर करने के लिए किसी व्यक्ति की स्वयं की तथा अन्य व्यक्तियों की भावनाओं व संवेगो का ध्यान रखती है और किसी व्यक्ति के विचारों व कार्यों को निर्देशित करते हुये उन सूचनाओं को प्रयोग करती है।

संवेगात्मक बुद्धि स्वयं की एवं दूसरों की भावनाओं अथवा संवेगों को समझने, व्यक्त करने और नियंत्रित करने की योग्यता है । दूसरे शब्दों में अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचाने की क्षमता, दूसरे की भावनाओं के बीच भेदभाव और उन्हें उचित रूप से समान व्यवहार करने की योग्यता को संवेगात्मक बुद्धि कहते है।

शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य उस उपलब्धि है, जो विद्यार्थियों के द्वारा अपनी कक्षा के अन्त में प्राप्तांक मिलता है। वह इस बात का संकेत है कि विद्यार्थी ने वर्ष भर कितना ज्ञान अर्जित किया है। विद्यालयों में विभिन्न बिषयों मे अर्जित ज्ञान और कौशलो से है इसका अर्थ मानसिक विकास से लगाया जाता है । कि बालक ने क्या और कितना सीखा है ?

- **श्रीवास्तव (2007)** ने पर्यावरण विज्ञान के सम्बन्ध में संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन किया और जो विद्यार्थी संवेगात्मक रूप से अधिक बुद्धिमान थे वे संवेगात्मक रूप से ज्यादा स्थिर तथा पर्यावरणीय सम्बन्धी समस्याओं के लिए ज्यादा संवेदनशील पाये गये।

- **फुलवारिया, राजेश कुमार (2008)** ने ''आवासीय एवं गैर आवासीय विधार्थियों के मध्य समायोजन एव शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन''मे परिणाम थे– आवासीय एवं गैर आवासीय विधार्थियों के मध्य संवेगात्मक समायोजन मे सार्थक अन्तर है। लेकिन सामाजिक एवं शैक्षिक समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- **श्रीवास्तव,मयंक कुमार (2008)** ने ''समाजिक अर्थिक स्थिति के सन्दर्भ शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।'' किया। जिसका उद्धेश्य शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत विभिन्न सामाजिक, आर्थिक स्तर के विधार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।
- **कार्र (2009)** ने मेडिकल विद्यालय के छात्रों संवेगात्मक बुद्धि का लिंग अन्तर पर अध्ययन किया जिसमें पुरुष छात्रों का स्त्री छात्रों से उच्च संवेगात्मक बुद्धि स्कोर था।

अध्ययन की महत्वः

किसी भी शैक्षिक समस्या का समाधान छात्र की शैक्षिक उपलब्धि की सीमा से बाहर नहीं हो सकता इस शोध मे संवेगात्मक बुद्धि और उसके विकास के साथ ही साथ वंशाक्रम, भाषा, स्थान, आर्थिक स्थिति, और वातावरण के कारक महत्वपूर्ण है। तथा इन कारकों के प्रेरकों से उसके व्यक्तित्व, भाषा, सामाजिकता, शिक्षा तथा शैक्षिक उपलब्धि आदि पर क्यों, कैसे और कितना प्रभाव पड़ता है। यह जानना भी आवश्यक हो गया है। विभिन्न स्तर पर शैक्षिक उपलब्धि का क्या स्तर है। और क्या प्रभाव पड़ता है।

अध्ययन के उद्देश्यः

1. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तरों का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
3. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाऐंः

1. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं संवेगात्मक बुद्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।
2. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की उच्च स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।
3. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की औसत स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।
4. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की निम्न स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।
5. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।
6. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।
7. अर्द्ध सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।
8. निजि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।

अध्ययन विधि :– प्रस्तुत शोध कार्य में 'सर्वेक्षण विधि' का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि :– इस अध्ययन को तहसील बहेड़ी नगर क्षेत्र में स्थित केवल 5 उच्च माध्यमिक विद्यालयों को सरल यादृच्छिक विधि से शामिल किया गया है। जिसमें अध्ययनरत् कक्षा 11 के 77 विद्यार्थियों को लिया गया है। जिसमें 35 छात्र व 42 छात्राओं को सरल यादृच्छिक विधि (लॉटरी विधि) से चयन किया है।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण :– प्रस्तुत लद्यु शोध मे प्रदत्तो के संकलन हेतु शोधार्थी द्वारा 'संवेगात्मक बुद्धि मापनी' (EIS-SANS) जिसको डॉ ए0 के0 सिंह तथा श्रुति नारायन द्वारा निर्मित व मानकीकृत किया गया है। जिसमे कुल **31** कथन है।

सांख्यिकीय :– इस शोध में गुणन आद्यूर्ण सहसम्बन्ध का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या– 1.0

विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या	स्वतन्त्र अंश (df)	सहसम्बन्ध (r)–मान		सार्थकता
		गणना से प्राप्त मान	0.05 स्तर पर सारणी मान	सार्थक*
77	**75**	**+ 0.237**	**0.217**	

0.01विश्वास स्तर पर असार्थक*

उपरोक्त तालिका संख्या 4.1 से स्पष्ट है। कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध (r)- मान **+ 0.237** है। जो कि स्वतंत्राश (df) **75** पर सार्थकता स्तर **0.05** सारणी मान **0.217** से अधिक है। जो कि **0.05** विश्वास स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं संवेगात्मक बुद्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है। अस्वीकृत होती है।

तालिका संख्या– 2.0

उच्च स्तर की संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या	स्वतन्त्र अंश (df)	सहसम्बन्ध (r)–मान		सार्थकता
		गणना से प्राप्त मान	0.05 स्तर पर सारणी मान	सार्थक*
10	**08**	**+ 0.833**	**0.632**	

0.01विश्वास स्तर पर सार्थक*

उपरोक्त तालिका संख्या 4.2 से स्पष्ट है। कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उच्च स्तर की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध (r)- मान +0.833 है। जो कि स्वतंत्रता कोटि (df) **08** पर सार्थकता स्तर **0.05** सारणी मान **0.632** से अधिक है। जो कि **0.05** विश्वास स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की उच्च स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

तालिका संख्या– 3.0

औसत स्तर की संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या	स्वतन्त्र अंश (df)	सहसम्बन्ध (r)–मान		सार्थकता
		गणना से प्राप्त मान	0.05 स्तर पर सारणी मान	सार्थक*
47	**45**	+ 0.334	0.288	

0.01विश्वास स्तर पर असार्थक*

उपरोक्त तालिका संख्या 4.3 से स्पष्ट है। कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की औसत स्तर की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध (r)- मान +0.334 है। जो कि स्वतंत्रता कोटि (df) **45** पर सार्थकता स्तर **0.05** सारणी मान **0. 288** से अधिक है। जो **0.05** विश्वास स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।

अतः हमारी शून्य परिकल्पना उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की औसत स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है। अस्वीकृत होती है।

तालिका संख्या– 4.0

निम्न स्तर की संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या	स्वतन्त्र अंश (df)	सहसम्बन्ध (r)–मान		सार्थकता
		गणना से प्राप्त मान	0.05 स्तर पर सारणी मान	असार्थक*
20	**18**	+ 0.198	0.444	

उपरोक्त तालिका संख्या 4.4 से स्पष्ट है। कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की निम्न स्तर की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध (r)- मान +0.198 है। जो कि स्वतंत्रता कोटि (df) **18** पर सार्थकता स्तर **0.05** सारणी मान 0.444 से कम है। जो कि **0.05** विश्वास स्तर पर असार्थक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की निम्न स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है। स्वीकृत होती है

तालिका संख्या– 5.0
छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या	स्वतन्त्र अंश (df)	सहसम्बन्ध (r)–मान		सार्थकता
		गणना से प्राप्त मान	0.05 स्तर पर सारणी मान	असार्थक*
35	**33**	+ 0.284	0.325	

उपरोक्त तालिका संख्या 4.5 से स्पष्ट है। कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध (r)- मान **+0.284** है। जो कि स्वतंत्रता कोटि (df) **33** पर सार्थकता स्तर **0.05** सारणी मान 0.325 से कम है। जो कि **0. 05** विश्वास स्तर पर असार्थक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है। स्वीकृत होती है।

तालिका संख्या– 6.0
छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या	स्वतन्त्र अंश (df)	सहसम्बन्ध (r)–मान		सार्थकता
		गणना से प्राप्त मान	0.05 स्तर पर सारणी मान	सार्थक*
42	**40**	+ 0.402	0.304	

0.01विश्वास स्तर पर सार्थक*

उपरोक्त तालिका संख्या 4.6 से स्पष्ट है। कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध (r)- मान **+ 0.402** है। जो कि स्वतंत्रता कोटि (df) **40** पर सार्थकता स्तर **0.05** सारणी मान **0.304** से अधिक है। जो कि **0.05** विश्वास स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है। अस्वीकृत होती है।

तालिका संख्या– 7.0
अर्द्ध सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या	स्वतन्त्र अंश (df)	सहसम्बन्ध (r)–मान		सार्थकता
		गणना से प्राप्त मान	0.05 स्तर पर सारणी मान	असार्थक*
38	**36**	+ 0.274	0.325	

उपरोक्त तालिका संख्या 4.7 से स्पष्ट है। कि सहायता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध (r)- मान **+0.274** है। जो कि स्वतंत्रता कोटि (df) **36** पर सार्थकता स्तर **0.05** सारणी मान 0.325 से कम है। जो कि **0.05** विश्वास स्तर पर असार्थक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना अर्द्ध सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है। स्वीकृत होती है।

तालिका संख्या– 8.0
निजि विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या	स्वतन्त्र अंश (df)	सहसम्बन्ध (r)–मान		सार्थकता
		गणना से प्राप्त मान	0.05 स्तर पर सारणी मान	सार्थक*
39	**37**	+ 0.359	0.325	

0.01विश्वास स्तर पर असार्थक*

उपरोक्त तालिका संख्या 4.8 से स्पष्ट है। कि निजि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध (r)- मान +0.359 है। जो कि स्वतंत्रता कोटि (df) 37 पर सार्थकता स्तर 0.05 सारणी मान 0.325 से अधिक है। जो कि 0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना निजि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है। अस्वीकृत होती है।

अध्ययन के निष्कर्ष:

1- उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में निम्न धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

2- उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की उच्च स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

3- उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की औसत स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में औसत/परिमित धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

4- उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की निम्न स्तर की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया।

5- उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया।

6. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में औसत/परिमित धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
7. अर्द्ध सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया।
8. निजि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में औसत/परिमित धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थ:

इस लघु शोध से प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों की उच्च, औसत, निम्न संवेगात्मक बुद्धि का प्रभाव तथा बालक के विद्यालयी वातावरण का प्रभाव शैक्षिक उपलब्धि पर प्रत्यक्ष ,अप्रत्यक्ष रुप से पड़ता है। इसलिए प्रस्तुत लघु शोध कार्य की शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता को निम्नलिखित बिन्दुओं द्वारा समझ सकते है–

1. विद्यालय वातावरण भयमुक्त व सहयोग पूर्ण होना चाहिए जिसे विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में वृद्धि हो सके।
2. विद्यालय में संवेगात्मक बुद्धि से सम्बन्धी कियाकलापों व पाठ्यक्रमों का समावेश करना चाहिए।
3. विद्यालयों में निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों का चयन करके उनके संवेगात्मक विकास के लिए अतिरिक्त कक्षा लगायें जिससे शैक्षिक उपलब्धि में सुधार हो सके।
4. विद्यालयों में उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों का चयन करके उनको प्रत्येक कक्षा वर्ग में बैठाया जाना चाहिए। जिससे अनय स्तर के बालकों पर उनका सकारात्मक प्रभाव पड़े।

भविष्य में अध्ययन के लिए सुझाव:

भविष्य में शोध कार्य हेतु कुछ सुझाव दिये जा सकते है। जो निम्नलिखत है–

1. यह अध्ययन केवल बरेली जनपद की बहेड़ी तहसील नगरक्षेत्र पर किया गय है। अतः इसको बड़े न्यादर्श पर किया जा सकता है।
2. यह शोध कार्य उच्च माध्यमिक स्तर पर किया गया है परन्तु इसे प्रारम्भिक, माध्यमिक व उच्च स्तर पर किया जा सकता है।
3. ग्रामीण व शहरी विद्यालयों के विद्यार्थियों पर किया जा सकता है।
4. विज्ञान, कला व वाणिज्य बिषय के अलग–अलग विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का शैक्षिक सहसम्बन्ध पर अध्ययन किया जा सकता है।
5. संवेगात्मक बुद्धि के स्थान पर अन्य चरों जैसे– समायोजन, व्यक्तित्व, परिवारिक वातावरण, समस्या समाधान, उपलब्धि–अभिप्रेरणा आदि का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव को देखा जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रंथ–सूची

1. Akduman, giibeniz (2015); A Research about Emotional intelligence on generations ; International

journal of advanced multidisciplinary research and review; volume- 3 No- 4(Winter) ISSN –23301-201 p- 124-132
2. Goleman . D ; Huffingtonpost.com http://www.huffingtonpost.com/dan-goleman
3. Goleman .D (1995); Whatknowledge.com.https://hi.m.wikipedia.org
4. Goleman, Daniel (1998); whatmakes a leader ?, Harvard Business Review.
5. Kumar, Ravi and others (2010); A study of Emotional intelligence among postgraduate medical students in Delhi. https://googleweblight.com
6. Majid, Akver & Suleiman (2012) ; The relationship EI and mental health Education managers in khoy city of pelagia research library European journal of experimental biology vol-2(5).
7. Goleman & other social scientists (1990); Five Components Of Emotional intelligence www.searchcio.techtarget.com
8. Three Recent studies (2009); on Emotional intelligence (EI) Psychology today. https://hi.m.wikipedia.org